an>

Title: Regarding Providing facilities at Allahabad University.

श्री केशव प्रसाद मौर्य (फूलपुर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आज शून्यकाल में इलाहाबाद विश्वविद्यालय, जिसकी स्थापना वÂान् 1887 में हुई थी। उस समय अखण्ड भारत की आबादी 25 करोड़ थी। आज विभाजित भारत के बावजूद हमारे देश की आबादी 125 करोड़ है। लेकिन इस 125 करोड़ की आबादी वाले इस देश का सबसे महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय इलाहाबाद, जिसने इस देश को चार प्रधानमंत्री दिए, चार मुख्य न्यायाधीश दिए, हजारों आईएएस ऑफिसर्स अनेक क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने वाले दिए। वÂान् 2005 में इस विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मिला। आज मेरे उस विश्वविद्यालय की स्थिति यह है कि 850 में से 300 टीचर हैं। वहां पूर्णकालिक वाइस चांसलर नहीं है। वहां की छात्रावासों की स्थिति खराब है। बाद में बने हुए विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त कैम्पस बन गए हैं। मैं सबसे महत्वपूर्ण विÂाय आपके सामने यह रखना चाहता हूं कि उसके संगठक दस विद्यालय हैं, उसमें से आठ में प्रधानाचार्य नहीं है क्योंकि पूर्णकालिक वाइस चांसलर नहीं है। ऑल इंडिया सर्विसिज के लिए प्री-एग्ज़ामिनेशन का एक ट्रेनिंग सेंटर चलता था, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों को पढ़ाया जाता था। उसको अनुदान देना बंद कर दिया गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि जो उत्तर प्रदेश और देश की स्थिति है, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थिति उससे भी खराब है, उसको ध्यान में रख कर के वहां छात्रावास, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग विंग की व्यवस्था की जाए। अतिरिक्त कैंपस का निर्माण कर, पूर्णकालिक VC एवं संगठक कॉलेजों को बचाया जाए।